मीडिया समन्वयक कार्यालय

जामिया मिल्लिया इस्लामिया

प्रेस विज्ञप्ति 12 फरवरी 2018

हकीम अजमल खान पर जेएमआई में प्रदर्शनी

देश के मशहूर हकीम, स्वतंत्रता सेनानी और जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापक एवं पहले चांसलर, हकीम मुहम्मद अजमल खान के 150 वें जन्म दिवस के मौक़े पर जेएमआई में आज से उनकी जीवनी पर 15 दिवसीय प्रदर्शनी शुरू हुई।

जेएमआई के प्रेमचंद आर्काइव्ज़ एण्ड लिटरेरी सेंटर की ओर आयोजित इस प्रदर्शनी में आज़ादी की लड़ाई के दौरान दिए गए उनके भाषणों, उनकी लिखी ग़ज़लों, महात्मा गांधी सहित कई जाने माने लोगों और उनके बीच हुई ख़त–ओ–किताबत की प्रतिलिपियां रखी गई हैं। इन पत्रों में गांधी जी ने हिन्दू मुस्लिम एकता की दिशा में किए गए उनके प्रयासों की सराहना की है। प्रदर्शनी में सुभाष चंद्र बोस, स्वामी श्रद्धानंद, मोती लाल नेहरू आदि के साथ उनकी मुलाक़ात की फोटुओं को भी लगाया गया है। विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो तलत अहमद और हकीम साहब के बड़े बेटे के पड़पोते मसरूर अहमद खान ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया।

भारत में शिक्षा और यूनानी मेडिसन का प्रसार करने में हकीम अजमल खान का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने इस सिलसिले में दिल्ली में तीन महत्वपूर्ण संस्थान खोले। ये हैं दिल्ली सेंट्रल कॉलेज, हिन्दुस्तानी दवाख़ाना और आयुर्वेदिक एवं यूनानी तिब्बिया कालेज जो दिल्ली तिब्बिया कॉलेज के नाम से मशहूर है। उनके हाथ में बहुत शिफ़ा थी जिसकी वजह से उन्हें '' मसीह–उल–मुल्क '' के नाम से भी जाना जाता है।

प्रेमचंद आर्काइव्ज़ एण्ड लिटरेरी सेंटर की डायरेक्टर प्रो सबीहा ज़ैदी ने कहा कि इस प्रदर्शनी का आयोजन इस लिया किया गया कि नई पीढ़ी हकीम साहब के विभिन्न क्षेत्रों में किए गए योगदान को जान सके।

प्रो अहमद ने इस मौक़े पर कहा कि हकीम अजमल खान की विरासत को बनाए रखने के लिए जेएमआई ने हाल में कई महत्वपूर्ण क़दम उठाए हैं जिनमें यूनानी मेडेसिन में पीएच.डी और यूनानी फार्मेसी में डिप्लोमा कोर्स शुरू करना शामिल हैं।

हकीम अजमल ख़ान गांधी जी के आह्वान पर शुरू हुए अहसयोग आंदोलन में बहुत सक्रिय रहे। उनका मानना था आज़ादी मिलने के बाद सबसे अधिक ध्यान देश में शिक्षा के प्रसार पर दिया जाना चाहिए, जिसे अंग्रेज़ों ने सिर्फ अपनी ज़रूरतों तक सीमित रख कर उसे तबाह कर दिया है।

बहु प्रतिभा के धनी हकीम अजमल खान बहुत बड़े हकीम होने के साथ ही गणितज्ञ, भौतिकशास्त्री और अच्छे शायर भी थे।

प्रो साइमा सईद

मीडिया कोऑर्डनैटर